http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 27

प्रयागराज शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रूपया

देश के 'रतन' को भारत रत्न देने की मांग, अंतिम दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब

● नमक, कार, सेमीकंडक्टर... हर जगह टाटा की मौजूदगी, परदादा की कंपनी को रतन टाटा ने बुलंदी पर पहुंचाया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। देश के जाने–माने उद्योगपति और टाटा संस के मानद चेयरमैन एमिरेट्स रतन टाटा नहीं रहे। 86 साल की उम्र में भी सक्रिय शीर्ष उद्योगपति ने बुधवार रात करीब 11रू30 बजे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में अंतिम सांस ली। टाटा समूह 2023–24 में 13 लाख 85 हजार करोड़ रुपये के राजस्व के साथ दुनिया के सबसे बड़े उद्योग समूहों में से एक है। भारत के रतन कहे जाने वाले दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा अरबपतियों में शामिल होने के बावजूद अपनी सादगी से हर किसी का दिल जीत लेते थे। वह उन शख्सियतों में शुमार थे, जिनका हर कोई सम्मान करता था। कई मौकों पर उन्होंने गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद कर भारतीयों को गर्व महसूस कराया। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का बुधवार निधन हो गया। रतन टाटा वह शख्स थे जिन्होंने बड़े अधिग्रहणों के साथ एक स्थिर और विशाल भारतीय समूह को वैश्विक मंच पर स्थापित किया। टाटा समूह ने बुधवार देर रात एक बयान में उनके निधन की जानकारी दी। रतन टाटा 86 वर्ष के थे। मुंबई के एक अस्पताल की आईसीयू में उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने 20 वर्षों से अधिक समय तक चेयरमैन के तौर पर टाटा समूह का नेतृत्व किया। रिटायरमेंट के बाद भी समूह के संचालन में उनका अहम योगदान बना रहा। टाटा समूह में कितनी कंपनियां है? वे कितने क्षेत्रों काम करती हैं? देश में स्टार्टअप्स के विकास में रतन टाटा का क्या योगदान रहा? ये सारी बातें हम आगे जानेंगे, उससे पहले रतन टाटा के कारोबारी सफर पर एक नजर डालते हैं।

एक असाधारण नेतृत्वकर्ता थे रतन टाटारू

टाटा समूह रतन टाटा के निधन के बाद टाटा समूह ने कहा, ष्हम बहुत बड़ी क्षति के साथ रतन नवल टाटा को विदाई दे रहे हैं, वे वास्तव में एक असाधारण नेता थे, जिनके अतुलनीय योगदान ने न केवल टाटा समूह को बल्कि हमारे राष्ट्र के ढांचे को भी आकार दिया।ष भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, ष्रतन टाटा एक दूरदर्शी कारोबारी नेता, एक दयालु आत्मा और एक असाधारण इंसान थे। उनके निधन से मुझे बहुत दुख हुआ। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के साथ हैं।ष अमेरिका से वास्तुकला की डिग्री लेकर लौटे और 1962 में शुरू किया समूह में काम अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद रतन टाटा भारत लौटे और 1962 में उस समूह के लिए काम करना शुरू किया जिसकी स्थापना उनके परदादा ने लगभग सौ साल पहले किया था। अपनी सेवा के दौरान उन्होंने टाटा समूह की कई टाटा कंपनियों में काम किया, जिनमें टेल्को (अब टाटा मोटर्स लिमिटेड) और टाटा स्टील लिमिटेड जैसी कंपनियों शामिल हैं। आगे चलकर उन्होंने टाटा की एक अन्य इकाई नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में घाटे को खत्म करके बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जिससे उनकी अलग पहचान बनी। 1991 में, जब रतन टाटा के चाचा जेआरडी टाटा ने पद छोड़ा, तब उन्हें समूह की कमान सौंपी गई। उन्होंने 1991 से दिसंबर 2012 तक नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी श्टाटा संसश के अध्यक्ष के रूप में टाटा ग्रुप का नेतृत्व किया। यह कमान उनके हाथों में उस समय सौंपी गई जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी सुधारों की शुरुआत की थी। उसी दौरान सरकार ने अर्थव्यवस्था को वैश्विक निवेश के लिए खोला जिससे और देश में बड़े विकास का दौर शुरू हुआ।

पीएम दो दिन की यात्रा पर लाओस पहुंचे

● आसियान–भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, श्सबाईदे लाओस। प्रधानमंत्री मोदी विएंतियान, लाओ पीडीआर पहुंच गए। उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। लाओस के गृह मंत्री विलायवोंग बौद्धखम ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर लाओस पहुंचे। यहां वे आसियान–भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य इन समूहों के देशों के साथ संबंधों को और प्रगाढ़ बनाना है। लाओस जनवादी लोकतांत्रिक गणराज्य (लाओ पीडीआर) के प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफनाडोन के निमंत्रण पर मोदी दो दिवसीय यात्रा पर आज विएंतियाने पहुंचे हैं। लाओस दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन 'आसियान' का वर्तमान अध्यक्ष है। इस दौरान मोदी 21वें आसियान–भारत शिखर सम्मेलन और 19वें पूर्वी एशिया सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, श्सबाईदे लाओस। प्रधानमंत्री मोदी विएंतियान, लाओ पीडीआर पहुंच गए। उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। लाओस के गृह मंत्री विलायवोंग बौद्धखम ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इस बीच लाओस समुदाय के लोगों ने वियनतियाने के होटल डबल ट्री में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करते हुए हिंदी में अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री योगी ने दी सीख

संघर्षों से राह बनाएं युवा

● यूपी में पहले शुचितापूर्ण भर्ती संभव नहीं थी, अब युवाओं को बिना सिफारिश के मिल रही नौकरीः सीएम योगी

गोरखपुर,(एजेंसी)। सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ज्ञान, विज्ञान और तकनीकी भारत के डीएनए में है। अपार संभावनाओं से परिपूर्ण हमारे युवाओं की तरफ पूरी दुनिया नई उम्मीद से देख रही है। निश्चित ही आने वाला समय भारत है। युवा संघर्षों से अपनी राह बनाएं, सफलता कदम चूमेगी। सीएम योगी गुरुवार को गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की तरफ से संचालित महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमपीआईटी) के प्रथम बैच के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में ज्ञान, विज्ञान और श्रम की त्रिवेणी अनवरत प्रवाहित है। परंपरा, परिश्रम और प्रगति हमारी प्रवृत्ति का हिस्सा है। यही प्रवृत्ति हमें दुनिया में सबसे विशिष्ट बनाती है। आवश्यकता है खुद को वैश्विक स्तर के अनुरूप खुद को तैयार करने की। हमें अभिभावकों की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरना है। इसके लिए छात्र और शिक्षक कदम से कदम मिलाकर चलें। नेशनल–इंटरनेशनल जर्नल्स का नियमित अध्ययन करें और खुद को ई–लाइब्रेरी की तरफ अग्रसर करें। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी तकनीकी पर ध्यान देना चाहिए जो जीवन को सरल और सहज बनाए।

महाराष्ट्र सरकार पत्रकारों के कल्याण के लिए निगम का गठन करेगी

मुम्बई,(एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में पत्रकारों और घर–घर समाचार पत्र पहुंचाने वाले हॉकर के लिए दो अलग निगमों के गठन के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि दोनों निगम पत्रकारों और समाचार पत्र बेचने वाले हॉकर के कल्याण के लिए काम करेंगे। राज्य सरकार फिलहाल मान्यता प्राप्त सेवानिवृत्त पत्रकारों को 'सम्मान निधि' (मासिक वित्तीय सहायता) प्रदान करती है और मान्यता प्राप्त पत्रकारों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी मामलों में वित्तीय सहायता देती है।

रतन टाटा ने नियमों का पालन करते हुए टाटा समूह की कार्यशैली सुधारीः अमित शाह

● अध्ययन और काफी धैर्य के बाद रतन टाटा ने सभी कंपनियों में बदलाव किया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। रतन टाटा का बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुवार को राज्य में एक दिवसीय शोक की घोषणा की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्योगपति रतन टाटा को गुरुवार को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि रतन टाटा ने सभी नियमों का पालन करते हुए टाटा समूह की कार्यशैली में सुधार किया। अमित शाह दिल्ली स्थित श्पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीश के वार्षिक सत्र को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि रतन टाटा के नेतृत्व में टाटा ट्रस्ट ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और कैंसर देखभाल जैसे विविध क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। टाटा की विरासत आने वाले वर्षों में सभी व्यापारियों लिए प्रेरणा बनी रहेगी। वह सभी व्यवसायियों के लिए एक आदर्श बने रहेंगे। मुंबई में उद्योगपति रतन टाटा के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए गृह मंत्री अमित शाह मुंबई में उद्योगपति रतन टाटा के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए। उन्होंने भारत सरकार की ओर से टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित की। गृह मंत्री उद्योगपति के अंतिम संस्कार के लिए मुंबई इसलिए पहुंचे, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसियान–भारत और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए लाओस में हैं। अध्ययन और काफी धैर्य के बाद रतन टाटा ने सभी कंपनियों में बदलाव किया ।

धार्मिक जुलूस निकालते समय पटाखों में विस्फोट से छह लोग घायल

पंजाब,(एजेंसी)। पुलिस ने कहा कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की दुकानों, मकानों की खिड़कियां और कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने कहा कि कुछ लोग जुलूस के दौरान पटाखे फोड़ रहे थे। पंजाब में यहां बृहस्पतिवार को एक धार्मिक जुलूस के दौरान बैग में रखे पटाखों में दुर्घटनावश आग लगने पर उसमें हुए विस्फोट से छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यह घटना प्रह्लाद नगर इलाके की है। पुलिस ने कहा कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास की दुकानों, मकानों की खिड़कियां और कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। पुलिस ने कहा कि कुछ लोग जुलूस के दौरान पटाखे फोड़ रहे थे। पुलिस ने कहा कि एक व्यक्ति के गर्दन से लटक रहे उस बैग में दुर्घटनावश आग लगने पर विस्फोट हो गया जिसमें पटाखे भरे हुए थे। पुलिस ने बताया कि घायलों को एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां चार लोगों को प्राथमिक चिकित्सा के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने कहा कि दो घायलों शरत और प्रदीप कुमार की गंभीर स्थिति के मद्देनजर उनको एक निजी अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

हरियाणा की हार पर कांग्रेस में मंथन

● फैक्ट फाइडिंग कमेटी गठित करने का किया फैसला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। बैठक के बाद माकन ने कहा कि इस बैठक में हरियाणा के चुनाव नतीजों की समीक्षा की गई। आप लोग भी इस बात को मानते होंगे कि नतीजे अप्रत्याशित थे। एग्जिट पोल और असल नतीजों में जमीन और आसमान का फर्क था। अलग अलग कारण क्या हो सकते हैं इस पर चर्चा की गई। आगे के कदमों की जानकारी बाद में दी जाएगी। कांग्रेस ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के कारणों पर गुरुवार को मंथन किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वरिष्ठ पर्यवेक्षकों और प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान चुनाव में हार के लिए कांग्रेस ने एक फैक्ट फाइडिंग कमेटी बनाने का फैसला किया। कांग्रेस अध्यक्ष के आवास श10 राजाजी मार्गश पर हुई इस बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, इस चुनाव में वरिष्ठ पर्यवेक्षक की भूमिका निभाने वाले राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कोषाध्यक्ष अजय माकन और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दो अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। प्रभारी दीपक बाबरिया बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़े। एग्जिट पोल और असल नतीजों में जमीन और आसमान का फर्कश बैठक के बाद माकन ने कहा कि इस बैठक में हरियाणा के चुनाव नतीजों की समीक्षा की गई।

एक देश एक चुनाव के खिलाफ केरल विधानसभा में लाया गया प्रस्ताव

केरल,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के प्रतिनिधि, संसदीय कार्य मंत्री एम बी राजेश ने तर्क दिया कि यह प्रस्ताव भारत की संघीय प्रणाली और विविधता को खतरे में डालता है, संभावित रूप से विभिन्न राज्य विधानसभाओं और स्थानीय सरकारों की शर्तों को कम कर देगा। राज्य सरकार ने केरल विधानसभा में श्एक राष्ट्र, एक चुनावश के विरोध में एक प्रस्ताव पेश किया गया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने केंद्र सरकार से प्रस्ताव को अलोकतांत्रिक बताते हुए वापस लेने का आग्रह करते हुए प्रस्ताव पेश किया। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के प्रतिनिधि, संसदीय कार्य मंत्री एम बी राजेश ने तर्क दिया कि यह प्रस्ताव भारत की संघीय प्रणाली और विविधता को खतरे में डालता है, संभावित रूप से विभिन्न राज्य विधानसभाओं और स्थानीय सरकारों की शर्तों को कम कर देगा। विधानसभा का तर्क है कि एक साथ चुनाव संवैधानिक सिद्धांतों को कमजोर करते हैं।

और चुनावों को एक साथ कराने की उच्च स्तरीय समिति की सिफारिश के बावजूद भाजपा और आरएसएस के एजेंडे को थोपते हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल की बैठक खत्म

● सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला के नाम पर लगी मुहर

श्रीनगर,(एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के विधायक दल की बैठक आज नवाई सुबाह पार्टी मुख्यालय में शुरू हुई, जिसमें पार्टी के नेता फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और सभी नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया है। श्रीगुफवारा बिजबेहरा से निर्वाचित विधायक बशीर वीरी ने यह जानकारी दी। वहीं एक अन्य नेता सलमान सागर ने कहा कि हमारे लिए यह भावुक पल था जब हमने उमर अब्दुल्ला को सीएम पद के लिए नामित किया। रू बैठक से पहले, कुछ नेताओं ने मीडिया से बातचीत की। तनवीर सादिक ने कहा, हम अपने वादों पर कायम रहेंगे। जम्मू–कश्मीर को एक मजबूत और जीवंत नेतृत्व की आवश्यकता है और मुझे नहीं लगता कि उमर अब्दुल्ला से बेहतर कोई और हो सकता है।

हसनैन मसूदी ने बताया, सरकार बनने के साथ ही हम अनुच्छेद–370 की बहाली पर काम करना शुरू कर देंगे। हम उन सभी वादों को पूरा करेंगे जो एनसी ने अपने पार्टी घोषणापत्र में किए थे।

आतंकवाद

देश की अपेक्षा यह है कि आतंकवाद को निर्णायक रूप से परास्त किया जाए। ऐसा नहीं हो पा रहा है, तो सरकार और सुरक्षा तंत्र को अपनी अब तक की रणनीति पर सिरे से पुनर्विचार करना चाहिए।छह जुलाई को जम्मू–कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों के हमले में सेना को दो जवान मारे गए। उसके बाद जवाबी कार्रवाई में सेना ने छह दहशतगर्दों को ढेर कर दिया। मगर सिर्फ दो दिन बाद– आठ जुलाई की रात कठुआ में सेना के कारवां पर आतंकवादियों ने और भी ज्यादा घातक हमला किया। इसमें पांच सैनिकों की जान गई। बीते एक महीने में आतंकवादी गतिविधियों से संबंधित अनेक घटनाएं हुई हैं। यह याद करना उचित होगा कि पिछले नौ जून को जिस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण कर रहे थे, ठीक उसी समय जम्मू–कश्मीर में एक आतंकवादी हमला हुआ था। उसके बाद से ऐसी घटनाओं का एक सिलसिला बना हुआ है। यह इस बात का साफ संकेत है कि जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद का एक नया दौर आया हुआ है। इससे कई गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। क्या राज्य प्रशासन एवं वहां के सुरक्षा तंत्र को इस बात का कोई सुराग नहीं था कि खास कर जम्मू इलाका आतंकवाद का नया अड्डा बन रहा है? आतंकवादियों के पास से जिस तरह के आध्ुनिक हथियार बरामद हुए हैं, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्हें सीमा पार से मदद मिल रही होगी।

तो फिर सवाल यह उठता है कि सीमा पर चौकसी एवं घुसपैठ रोकने के उपायों का क्या हुआ? केंद्र सरकार को यह अवश्य समझना चाहिए कि ऐसी घटनाओं के लगातार होने से देशवासियों के मनोबल पर चोट लगती है। अब सोच का यह कवच भी नहीं है कि अनुच्छेद 370 के कारण आतंकवाद रोकने में कामयाबी नहीं मिल रही है। ऐसी दलीलें ज्यादा काम की नहीं हैं कि जितने सुरक्षा कर्मी मारे गए हैं, उनसे ज्यादा आतंकवादियों को ढेर किया गया है। देश की अपेक्षा यह है कि आतंकवाद को निर्णायक रूप से परास्त किया जाए। ऐसा नहीं हो पा रहा है, तो सरकार और सुरक्षा तंत्र को अपनी अब तक की रणनीति पर सिरे से पुनर्विचार करना चाहिए। जम्मू–कश्मीर के लोगों का दिल जीतना और सीमा पार के दखल को नियंत्रित करना दो ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका मुकाबला किए बगैर संभवतरू समस्या काबू में नहीं आएगी।

सबके लिए आधारित हैं नये आपराधिक कानून

0–डॉ. मोहन यादव

भारत में आपराधिक कानूनों में परिवर्तन और सुधार एक महत्वपूर्ण विषय है, जो समाज की बदलती आवश्यकताओं और न्याय की आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय–समय पर किया जाता है। हाल ही में, भारतीय दंड संहिता, आपराधिक प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम जैसे आपराधिक कानूनों को संसद में पारित किया गया। अब एक जुलाई 2024 से पूरे देश में यह लागू हो रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह ने संसद में कानून को पेश करते हुए कहा कि खत्म होने वाले ये तीनों कानून अंग्रेजी शासन को मजबूत करने और उसकी रक्षा करने के लिए बनाए गए थे । इनका उद्देश्य दंड देने का था, न की न्याय देने का। तीन नए कानून की आत्मा भारतीय नागरिकों को संविधान में दिए गए सभी अधिकारों की रक्षा करना, इनका उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि न्याय देना होगा। भारतीय आत्मा के साथ बनाए गए इन तीन कानूनों से हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।पुराने कानूनों में गुलामी की बू आती थी। ये तीनों पुराने कानून गुलामी की निशानियों से भरे हुए थे क्योंकि इन्हें ब्रिटेन की संसद ने पारित किया था और हमने सिर्फ इन्हें अपनाया था। इन कानूनों में पार्लियामेंट ऑफ यूनाइटेड किंगडम, प्रोविंशियल एक्ट, नोटिफिकेशन बाई द क्राउन रिप्रेजेन्टेटिव, लंदन गैजेट, ज्यूरी और बैरिस्टर, लाहौर गवर्नमेंट, कॉमनवेल्थ के प्रस्ताव, यूनाइटेड किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड आयरलैंड पार्लियामेंट का जिक्र है। इन कानूनों में हर मैजेस्टी और बाइ द प्रिवी काउंसिल के रेफरेंस दिए गए हैं, कॉपीज एंड एक्सट्रैक्ट्स कंटेट इन द लंदन गैजेट के आधार पर इन कानूनों को बनाया गया, पजेशन ऑफ द ब्रिटिश क्राउन, कोर्ट ऑफ जस्टिस इन इंग्लैंड और हर मैजेस्टी डॉमिनियन्स का भी जिक्र इन कानूनों में कई स्थानों पर है। अच्छी बात यह कि गुलामी की निशानियों को पूरी तरह मिटा दिया गया है। जिसके तहत 475 जगह गुलामी की निशानियों को समाप्त कर दिया गया है। हमारे क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बहुत समय लगता है, कई बार न्याय इतनी देर से मिलता है कि न्याय का कोई मतलब ही नहीं रह जाता है, लोगों की श्रद्धा उठ जाती है और अदालत में जाने से डरते हैं।

इन कानूनों को बनाने के पीछे बहुत लंबी प्रक्रिया रही है। इन कानूनों को आज के समय के अनुरूप बनाने में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त, 2019 में सर्वोच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, देश के सभी उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों और देश के सभी कानून विश्वविद्यालयों को पत्र लिखे थे। वर्ष 2020 में सभी, महामहिम राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और सांसदों एवं संघ–शासित प्रदेशों के महामहिम प्रशासकों को पत्र लिखे गए। इसके बाद व्यापक परामर्श के बाद ये प्रक्रिया कानून बनने जा रही है। इसके लिए 18 राज्यों, 6 संघशासित प्रदेशों, सुप्रीम कोर्ट, 16 हाई कोर्ट, 5 न्यायिक अकादमी, 22 विधि विश्वविद्यालय, 142 सांसद, लगभग 270 विध्ाायकों और जनता ने इन नए कानूनों पर अपने सुझाव दिए हैं। यह प्रक्रिया सरल नहीं थी, काफी मेहनत की गई बीते 4 सालों में। खूब विचार विमर्श किया गया है। इस संदर्भ में हुई 158 बैठकों में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह उपस्थित रहे हैं।

इन कानूनों में क्या बदलाव हुआ है, इस पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने बताया कि आज तक आतंकवाद से परिचित सभी थे लेकिन आतंकवाद की परिभाषा, व्याख्या नहीं थी। अब ऐसा नहीं रहेगा। अब अलगाव, सशस्त्र विद्रोह, विध्वंसक गतिविधियां, अलगाववाद, भारत की एकता, संप्रभुता और अखंडता को चुनौती देने जैसे अपराधों की पहली बार इस कानून में व्याख्या की गई है। इससे जुड़ी संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार भी दिया गया है। जांचकर्ता पुलिस अधिकारी के संज्ञान पर कोर्ट इसका आदेश देगा। गौरतलब है कि अनुपस्थिति में ट्रायल के बारे में केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक फैसला किया है। सेशंस कोर्ट के जज द्वारा प्रक्रिया के बाद भगोड़ा घोषित किए गए व्यक्ति की अनुपस्थिति में ट्रायल होगा और उसे सजा भी सुनाई जाएगी, चाहे वो दुनिया में कहीं भी छिपा हो। उसे सजा के खिलाफ अपील करने के लिए भारतीय कानून और अदालत की शरण में आना होगा। अभी तक देखा गया है कि देश भर के पुलिस स्टेशनों में बड़ी संख्या में केस संपत्तियां पड़ी रहती हैं। अब इस ओर भी तेजी लाई जाएगी। यानी अब इनकी वीडियोग्राफी करके सत्यापित प्रति कोर्ट में जमा करके इनका निपटारा किया जा सकेगा।

इन कानूनों में अत्याधुनिकतम तकनीकों को समाहित किया गया है। दस्तावेजों की परिभाषा का विस्तार कर इलेक्ट्रॉनिक या डिजिटल रिकॉर्ड्स, ई–मेल, सर्वर लॉग्स, कम्प्यूटर, स्मार्ट फोन, लैपटॉप्स, एसएमएस, वेबसाइट, लोकेशनल साक्ष्य, डिवाइस पर उपलब्ध मेल और मैसेजेस को कानूनी वैध्ाता दी गई है, जिनसे अदालतों में लगने वाले कागजों के अंबार से मुक्ति मिलेगी। इस कानून को डिजिटलाइज किया गया है, यानी एफआईआर से केस डायरी, केस डायरी से चार्जशीट और चार्जशीट से जजमेंट तक की सारी प्रक्रिया को डिजिटलाइज करने का प्रावधान इस कानून में किया गया है। अभी सिर्फ आरोपी की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो सकती है, लेकिन अब पूरा ट्रायल, क्रॉस क्वेश्चनिंग (ष्म्ग्शह्यह्य ह्नह्वद्गह्यह्लद्बशठ्ठद्बठ्ठद्द) सहित, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभव होगी। शिकायतकर्ता और गवाहों का परीक्षण, जांच–पड़ताल और मुकदमे में साक्ष्यों की रिकॉर्डिंग और उच्च न्यायालय के मुकध्द्मे और पूरी अपीलीय कार्यवाही भी अब डिजिटली संभव होगी। सर्च और जब्ती के समय वीडियोग्राफी को अनिवार्य कर दिया है, जो केस का हिस्सा होगी और इससे निर्दोष नागरिकों को फंसाया नहीं जा सकेगा। पुलिस द्वारा ऐसी रिकॉर्डिंग के बिना कोई भी चार्जशीट वैध नहीं होगी।आजादी के 75 सालों के बाद भी दोष सिद्धि का प्रमाण बहुत कम है। यही कारण है कि मोदी सरकार ने फॉरेंसिक साइंस को बढ़ावा देने का काम किया है। तीन साल के बाद हर साल 33 हजार फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स देश को मिलेंगे। साथ ही श्री अमित शाह ने लक्ष्य रखा है कि दोष सिद्धि के प्रमाण को 90 प्रतिशत से ऊपर लेकर जाना है। इसके लिए एक महत्वपूर्ण प्रावधान किया गया है कि 7 वर्ष या इससे अधिक सजा वाले अपराधों के क्राइम सीन पर फॉरेंसिक टीम की विजिट को अनिवार्य किया जा रहा है। इसके माध्यम से पुलिस के पास एक वैज्ञानिक साक्ष्य होगा जिसके बाद कोर्ट में दोषियों के बरी होने की संभावना बहुत कम हो जाएगी। वर्ष 2027 से पहले देश की सभी अदालतों को कंप्यूटराइज्ड कर दिया जाएगा। इसी प्रकार मोबाइल फॉरेंसिक वैन का भी अनुभव किया जा चुका है। दिल्ली इसका उदाहरण है। दिल्ली में इसका सफल प्रयोग किया गया। इसके तहत 7 वर्ष से अधिक सजा के प्रावधान वाले किसी भी अपराध के स्थल पर फॉरेंसिक साइंस लैबरोटरी (एफएसएल) की टीम पहुंचती है। इतना ही नहीं मोबाइल एफएसएल को भी लॉन्च किया गया। बता दें कि यह संकल्पना पूर्ण रूप से सफल है। यही वजह है कि अब हर जिले में 3 मोबाइल एफएसएल रहेंगी और अपराध स्थल पर जाएंगी।

यौन हिंसा के मामले में भी पहले के कानून में फेर–बदल किया गया है। इसके अंतगर्त यौन हिंसा के मामले में पीड़ित का बयान अनिवार्य कर दिया गया है और यौन उत्पीड़न के मामले में बयान की वीडियो रिकॉर्डिंग भी अब अनिवार्य कर दी गई है। पुलिस को 90 दिनों में शिकायत का स्टेटस और उसके बाद हर 15 दिनों में फरियादी को स्टेटस देना अनिवार्य होगा। पीड़ित को सुने बिना कोई भी सरकार 7 वर्ष या उससे अधिक के कारावास का केस वापस नहीं ले सकेगी, इससे नागरिकों के अधिकारों की रक्षा होगी। ऐसा पहली बार हुआ है कि कम्युनिटी सर्विस को सजा के रूप में इस कानून के तहत लाया जा रहा है। छोटे मामलों में समरी ट्रायल का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। अब 3 साल तक की सजा वाले अपराध समरी ट्रायल में शामिल हो जाएंगे। इस अकेले प्रावधान से ही सेशंस कोर्ट्स में 40 प्रतिशत से अधिक केस समाप्त हो जाएंगे। आरोप पत्र दाखिल करने के लिए 90 दिनों की समय सीमा तय कर दी गई है और परिस्थिति देखकर अदालत आगे 90 दिनों की परमिशन और दे सकेंगी। इस प्रकार 180 दिनों के अंदर जांच समाप्त कर ट्रायल के लिए भेज देना होगा। कोर्ट अब आरोपित व्यक्ति को आरोप तय करने का नोटिस 60 दिनों में देने के लिए बाध्य होंगे। बहस पूरी होने के 30 दिनों के अंदर माननीय न्यायाधीश को फैसला देना होगा, इससे सालों तक निर्णय लंबित नहीं रहेगा और फैसला 7 दिनों के अंदर ऑनलाइन उपलब्ध कराना होगा।

पुराने आपराधिक कानूनों को निरस्त करना और नए कानूनों को अपनाना देश की वर्तमान वास्तविकताओं को दर्शाता है। भारतीय लोकाचार और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए इन कानूनों का नाम बदला गया। जैसे कि भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 – पुरातन ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से प्रस्थान का प्रतीक है, जिसमें सजा पर न्याय पर जोर दिया जाता है।पिछले दशक में प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने धार्मिक कट्टरवाद और आतंकवाद पर सख्त रुख अपनाया है। आतंकवाद और उग्रवाद को लेकर सरकार की शून्य–सहिष्णुता नीतियों और कार्यों के कारण ये ताकतें अब रक्षात्मक मुद्रा में हैं।इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने यूएपीए समेत संबंधित अधिनियमों में आवश्यक संशोधन किए हैं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी को विदेशों में भारतीयों और भारतीय हितों से संबंधित आतंकी अपराधों की जांच करने का अधिकार दिया गया है। नए आपराधिक कानूनों ने अनुपस्थिति में मुकदमे की अनुमति देकर इस बदलाव को और मजबूत किया है।

युद्ध और हिंसा की सचाई समझना होगा

देशवासियों को बेसब्री से इंतजार था और दिलचस्पी भी थी कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार राहुल गांधी सदन में कौन–सा नया विचार रखेंगे। कौन–कौन से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जिनसे सरकार और प्रधानमंत्री को असहज करेंगे। इतिहास ने उन्हें करोड़ों देशवासियों का दिल जीतने का अवसर दिया था लेकिन उन्होंने ऐतिहासिक अवसर को गंवा दिया। राहुल खुद को श्यंगरी यंगमैन्च के रूप में पेश करते हुए भाजपा पर कटाक्ष करते हुए कह गए कि जो लोग खुद को हिन्दू कहते हैं, वे चौबीस घंटे हिंसा, नफरत और झूठी बातें करते रहते हैं।

देश के समूचे हिन्दू समाज को हिंसक बताकर बहुसंख्यक आबादी को न केवल नाराज किया, बल्कि अपमानित भी कर दिया। जब प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर हस्तक्षेप करते हुए कहा कि पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना गलत है, यह गंभीर विषय है। इसके बाद राहुल को समझ में आया कि वह गलती कर बैठे हैं और अपनी गलती को सुधारते हुए उन्हें कहना पड़ा कि वह भाजपा के बारे में बोल रहे थे। भाजपा, आरएसएस या प्रधानमंत्री मोदी पूरा हिन्दू समाज नहीं हैं।सबसे दिलचस्प बात यह थी कि राहुल भगवान शिव, भगवान बुद्ध, महावीर, गुरुनानक देव की तस्वीर लेकर सदन में आए थे।

उन्होंने अपनी बात रखते हुए ईसा मसीह और पैगम्बर मोहम्मद साहिब का भी जिक्र किया और कहा कि ये सभी अभय मुद्रा में हैं। यह सच है कि इन सभी महापुरुषों ने शांति और अहिंसा का संदेश दिया है और यह भी सच है कि कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं करता।लेकिन राहुल किसी भी महापुरुष के दर्शन और विचार को न परिभाषित कर पाए, न व्याख्यायित कर पाए और न सदन के जरिए देशवासियों को ही समझा पाए। पौराणिक ग्रंथों में सुर–असुर संग्राम की चर्चा है। धर्म की रक्षा के लिए शिव, कृष्ण आदि देवताओं ने भी हथियार उठाए हैं। चाहे शिवाजी हों या महाराणा प्रताप, सभी के जीवन में युद्ध करने के अवसर आए हैं। पिछले दो वर्षो से समूचे विश्व का ध्यान रूस–यूक्रेन और फिलिस्तीन–इस्रइल युद्ध की ओर गया है।

मानवीय हिंसा और युद्ध गहरी चिंता और घृणा के विषय हैं, लेकिन यह भी सच है कि पिछले दो विश्व युद्ध भी मानव जाति को युद्ध और हिंसा की आग में जलाने से रोक नहीं पाए। राहुल गांधी को युद्ध और हिंसा की सचाई को समझना होगा। कोई भी सभ्य समाज हिंसा का समर्थन नहीं करता।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय ज्योतिष विभाग लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

क्यों युवा और कारोबारी कर रहे खुदकुशी

आर.के.सिन्हा

बीते सालों की तरह इस बार भी सारे देश ने 5 सितंबर को गर्मजोशी से अध्यापक दिवस मनाया। सोशल मीडिया पर तो अध्यापकों का उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया जा रहा था। पर अब सुधी अध्यापकों, मनोचिकित्सकों और अन्य जागरूक नागरिकों को यह भी सोचना होगा कि नौजवानों का एक बड़ा वर्ग निराशा और नाकामयाबी की स्थितियों में अपनी जीवनलीला खत्म करने पर क्यों आमादा है। अब शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरता हो जब अखबारों में किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले युवा के खुदकुशी करने संबंध्ाी दिल दहलाने वाला समाचार ना छपता हो। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पर सारे देश को सोचना होगा। इसी तरह से आजकल बिजनेस में घाटा होने के कारण भी आत्म हत्या करने वालों की तादाद लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। अभी कुछ दिन पहले एक साइकिल बनाने वाली मशहूर कंपनी के अरबपति मालिक ने भी खुदकुशी कर ली थी।

पिछले साल 6 दिसंबर को लोकसभा में बताया गया था कि देश में 2019 से 2021 के बीच 35,000 से ज्यादा छात्रों ने आत्महत्या की। छात्रों के खुदकुशी करने के मामले 2019 में 10,335 से बढ़कर 2020 में 12,526 और 2021 में 13,089 हो गए। इसमें कोई शक नहीं है किसी भी हालत में किसी खास परीक्षा में सफल होने के लिए माता–पिता, अध्यापकों और समाज का भारी दबाव और अपेक्षाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव डाल रही हैं। राजस्थान का एक शहर है कोटा। यहां पर हर साल एक अनुमान के मुताबिक, हजारों नहीं लाखों छात्र – छात्राएँ देश के शीर्ष कॉलेजों में से एक में प्रवेश पाने की उम्मीद में कोटा पहुंचते हैं। इनके जीवन का एक ही लक्ष्य होता है कि किसी तरह से प्प्ज्छ्छप्ज या मेडिकल की प्रवेश परीक्षा को क्रैक कर लिया जाए।

आप कोटा या फिर देश के किसी भी अन्य शहर में चले जाइये जहां पर मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों के साथ–साथ सिविल सेवाओं वगैरह के लिए कोचिंग संस्थान चल रहे हैं। वहां पर छात्र अत्यधिक दबाव और असफलता के डर से मनोवैज्ञानिक रूप से बहुत कष्ट की स्थिति में हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के पूर्व अध्यक्ष डॉ.विनय अग्रवाल कहते हैं कि हमें खुदकुशी के बढ़ते मामलों पर सिर्फ चिंता ही व्यक्त नहीं करनी। हमें इसे रोकना ही होगा। हमने युवाओं, कारोबारियों और अन्य लोगों के आत्म हत्या करने के कारणों और इस समस्या के हल तलाशने के लिए विश्व आत्महत्या निवारण दिवस (12 सितंबर) को राजध्ाानी दिल्ली में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का भी आयोजन किया है, जहां पर मनोचिकित्सक, पत्रकार और सोशल वर्कर अपने अनुभवों के आधार पर अपने पेपर पढ़ेंगे। उन निष्कर्षों के बाद हम आगे की रणनीति बनाएँगे।

कुछ कोचिंग सेंटर चलाने वाले भी इस तरह के प्रयास तो कर रहे हैं ताकि छात्र बहुत दबाव में न रहें। राजधानी के एक कोचिंग सेंटर के प्रमुख ने बताया कि हम छात्रों की लगातार काउंसलिंग भी करते रहते हैं। उनके अभिभावकों के भी संपर्क में रहते हैं। कहा जाता है कि भारत में दुनिया भर में सबसे अधिक युवा आत्महत्या दर है। इस बीच, राष्ट्रीय अपराध्ा रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, 2020 में हर 42 मिनट में एक छात्र ने अपनी जान दे दी। यह आंकड़ा सच में डराता है।

देखिए, नौजवानों को बिल्कुल रीलेक्स माहौल देना होगा माता–पिता और उनके अध्यापकों को , ताकि वे बिना किसी दबाव में पढ़ें या जो भी करना चाहते हैं, करें। हरियाणा के सोनीपत में सेंट स्टीफंस कैम्ब्रिज स्कूल चलाने वाली दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी (डीबीएस) के अध्यक्ष और सोशल वर्कर ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम पूरी तरह से सुनिश्चित करते हैं कि हमारे स्कूल या सेंट स्टीफंस कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चे बिना किसी दबाव में पढ़े–लिखे। हम अपने अध्यापकों की भी क्लास लेते हैं कि किसी

भी बच्चे के साथ कक्षा में उसकी जाति न पूछी जाए और या न ही उसके पिता की आय। कुछ गैर–जिम्मेदार अध्यापक अपने विद्यार्थियों से इस तरह के गैर–जरूरी सवाल पूछते हैं। फिर वे एक ही कक्षा में पढ़ने वाले बच्चों की एक–दूसरे से तुलना भी करने लगते हैं। इस कारण वे जाने–अनजाने एक बच्चे को बहुत सारे बच्चों को कमजोर साबित कर देते है। जाहिर है, इस वजह से उस छात्र पर बहुत नकारात्मक असर पड़ता है जो कमतर साबित कर दिया गया होता है। इसी तरह के बच्चे कई बार निराशा और अवसाद में डूब जाते हैं। देखिए बच्चे को पालना एक बीस वर्षीय प्लान है। कौन नहीं चाहता कि उसका बच्चा समाज में ऊंचा मुकाम हासिल करे, शोहरत–नाम कमाए? पर इन सबके लिए जरूरी है कि बच्चे को उसकी काबिलियत और पसंद के अनुसार मनचाहा करियर चुनने की आजादी भी दी जाए। यह एक कड़वा सच है कि हमारे समाज में सफलता का पैमाना अच्छी नौकरी, बड़ा घर और तमाम दूसरी सुख–सुविधाएं ही मानी जाती है।अफसोस कि हम भविष्य के चक्कर में अपने बच्चों को आत्महत्या जैसे कदम उठाने पर मजबूर करने लगे हैं। ब्रदर सोलोमन जॉर्ज कहते हैं कि हम अपने यहां बच्चों को इस बात के लिए तैयार करते हैं कि वे कठिन परिस्थितियों का भी सामना करें। असफलता से हार मान लेने से जीवन नहीं चलता। यह तो कायरता है। महान कवि पद्मभूषण डॉ० गोपाल दस नीरज की पंक्तियाँ याद आ रही हैं, " छुप– छुप अश्रु बहाने वालों , जीवन व्यर्थ लुटाने वालों , इक सपने के मर जाने से , जीवन नहीं मरा करता हैं।" सफलता और असफलता का चक्र तो चला करता है । उसे स्वीकार करने में ही भला है ।

जैसा किमैंने ऊपर जिक्र किया कि बीते दिनों एक अरबपति बिजनेसमैन ने राजधानी के अपने भव्य बंगले में गोली मारकर सुसाइड कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। कहा जा रहा है कि बिजनेस में नुकसान होने के कारण ही साइकिल बनाने वाली कंपनी के मालिक ने आत्महत्या की।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों से पता चला है कि 2020 में, जब कोविड– की लहर ने व्यापार को तबाह कर दिया था, तब 11,716 व्यापारियों ने आत्महत्या की थी, जो 2019 की तुलना में 29ः अधिक थी, जब 9,052 व्यापारियों ने अपनी जान ले ली थी।

कर्नाटक में 2020 में व्यवसायियों द्वारा आत्महत्या से सबसे अधिक मौतें (1,772) दर्ज की गईं – जो 2019 से 103ः अधिक है, जब राज्य में 875 व्यवसायियों ने अपनी जान ले ली थी।महाराष्ट्र में 1,610 व्यवसायियों ने आत्महत्या की, जो पिछले वर्ष से 25ः अधिक है, और तमिलनाडु में 1,447 की मृत्यु हुई, जो 2019 से 36ः अधिक है। यह सबको पता है कि भारत के व्यवसायी समुदाय का बड़ा हिस्सा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से जुड़ा है,जो बड़े झटकों को सहन नहीं कर पाता है। इसके चलते कई कारोबारियों ने कर्ज में डूबने या बिजनेस में नुकसान के कारण आत्महत्या कर ली। लब्बो लुआब यह है कि भारत में युवाओं और कारोबारियों के साथ – साथ अन्य लोगों के आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं को भी प्रभावी ढंग से रोकना ही होगा।

सरकारी जमीनों व चकमार्गो पर किये गये अवैध कब्जों को खाली कराएं

सम्पूर्ण समाधान दिवस सदर में डीएम एवं एसपी ने सुनी िकायतें, 06 मामले का मौके पर हुआ निस्तारण,

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सदर तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 204 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 06 शिकायत इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 204 शिकायतों में से 92 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 28, विकास विभाग से 21, खाद्य विभाग से 02, चकबन्दी विभाग से 02, विद्युत विभाग से 07 एवं 52 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा सुनी गयी।

➢ िकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये, अन्यथा होगी कार्रवाई–जिलाधिकारी

सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता सुरेन्द्र निवासी कल्यानपुर मौरहा ने शिकायत किया कि प्रार्थी की भूमिधरी भूमि पर गांव के मुरलीधर जबरन अराजक तत्वों व परिवारीजन के सहयोग से पशुबल व धनबल के आधार पर अवैध निर्माण करना चाहते है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया कि सम्बन्धित लेखपाल को मौके पर भेजकर शिकायत का समाधान करायें। शिकायतकर्ता धर्मा देवी निवासी पूरेरामदेव थाना अन्तू ने शिकायत किया कि प्रार्थिनी के पति बीमार चल रहे है तथा कान से सुनते भी नही है, पति को शौचालय हेतु खेतों में जाना पड़ता है। प्रार्थिनी के पति के बड़े भाई राम बहादुर यादव व अरूण कुमार, कपिल, अरविन्द कुमार आबादी की भूमि में शौचालय का निर्माण नहीं करने देते है तथा प्रार्थिनी का आबादी में 1/2 भाग है, उसे भी आज तक नहीं दे रहें है। प्रार्थिनी जब कभी शौचालय का निर्माण कराने को लेबर लाती है तब उपरोक्त लोग गाली गुप्ता देकर लेबर को भगा देते है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर व एसएचओ अन्तू को निर्देशित किया कि जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये। शिकायतकर्ता अमरनाथ व अनीता देवी ने शिकायत किया कि प्रार्थीगण को वृद्धावस्था पेंशन मिल रही थी जो विगत 06 माह से बंद है, वृद्धावस्था पेंशन को पुनः कराया जाये जिस पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये।

जिलाधिकारी ने जन शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। उन्होने समस्त लेखपालों और कानूनगो को सचेत करते हुये कहा कि राजस्व शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर दोनो पक्षों की उपस्थिति में बिना किसी पक्षपात गुणवत्तापूर्ण ढंग से शिकायत का निस्तारण करायें और मौके पर दोनो पक्षों के हस्ताक्षर भी करायें, फर्जी रिपोर्ट कदापि न लगायी जाये अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित लेखपाल व कानूनगो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होने सभी लेखपालों को कड़े निर्देश दिये कि सरकारी जमीनों व चकमार्गो पर जो भी अवैध कब्जे किये गये है उसे खाली कराया जाये। उन्होने सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियों से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें, कार्यो में ढिलाई कदापि न बरती जाये, कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये।

उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही को बहुत ही गम्भीरता के साथ लिया जायेगा, इसलिये सभी अधिकारीगण शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित गति से किया जाये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने पुलिस अधिकारियों/थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जो भी शिकायतकर्ता अपनी शिकायत लेकर आयें उनकी शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुने, प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर उदयभान सिंह, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के तीन शिक्षकों को किया गया सम्मानित

चित्रकूट। एडूलीडर्स यूपी शिक्षको के व्यावसायिक क्षमता वृद्धि, उनके कार्यों को प्रोत्साहन, बच्चो के लर्निंग ऑउटकम को सुनिश्चित करने तथा हर वर्ष प्रदेश के सभी 75 जनपदो से 75 शिक्षको को एडूलीडर्स अवार्ड देने का कार्य करता है। एडूलीडर्स यूपी प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत स्वप्रेरित, ऊर्जावान, टेक्नोसेवी शिक्षको का एक स्वतःस्फूर्त समूह है जिसका नेतृत्व बस्ती जनपद के राष्ट्रपति पदक प्राप्त शिक्षक डॉ सर्वेष्ट मिश्र करते हैं। यह समूह सभी 75 जनपदों में अपने व्हाट्सप समूहो, फेसबुक कुटुंब पेज, वेबसाइट के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व निपुण भारत मिशन की दक्षताओं को सुनिश्चित करने के लिए ऑनलाइन शैक्षणिक सामग्री निर्माण, निपुण भारत वर्कशीट, ज्ञान गंगा ब्लैकबोर्ड संदेश, संस्कार, बूझ भाई बूझ, बाल सवाल, निपुण प्रवाह तथा शब्द संग्रह आदि सन्देश प्रतिदिन हजारों शिक्षकों और विद्यार्थियों तक प्रेषित करता है। एडूलीडर्स शिक्षकों के क्षमता संवर्धन के लिए समय–समय पर ऑनलाइन वेबिनार, गोष्ठी व सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में सहयोगी के रूप में प्रतिभाग करता है। इसके तहत समारोह ग्रेटर नोएडा में कुंवर बृजेश सिंह राज्यमंत्री पीडब्लूडी उत्तर प्रदेश, मनोज जोशी (पद्मश्री) एवं हरीश द्विवेदी पूर्व सांसद बस्ती द्वारा जनपद चित्रकूट से इस वर्ष एडूलीडर्स अवॉर्ड शिव भूषण त्रिपाठी सहायक अध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय रेरूवा रामनगर को प्राप्त हुआ। एडूलीडर्स अवॉर्ड के साथ प्रत्येक जनपद से कर्मयोगी पुरस्कार दिया गया। जिसमे जनपद के रामनारायण पांडेय प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय बगलई व अभिषेक सिंह सहायक अध्यापक प्राथमिक विद्यालय रैपुरा मानिकपुर को प्राप्त हुआ।

संक्षेप

यमुना में बाढ़ का लिया जायजा

चित्रकूट। यमुना नदी में बढ़ रहे जल स्तर से सरधुवा से अर्की, अतरौली, बिहरवा, भदेडू आदि ग्राम पंचायत को जोड़ने वाला सम्पर्क मार्ग प्रभावित होने से आवागमन बाधित है। शनिवार को एडीएम उमेश चंद्र निगम ने मौके पर जाकर

निरीक्षण किया। उन्होंने तहसीलदार राजापुर को निर्देशित किया कि तत्काल नाव की व्यवस्था कराएं। ग्राम प्रधान व लेखपाल रोड के किनारे बैरिकेडिंग आदि इंतजाम करें। इंडिकेटर बनाएं जिससे व्यक्ति रोड से बाहर न जा सके। दोनों तरफ खम्भों पर लाइट की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बाढ़ की स्थिति का निरंतर जायजा लेते रहें। इस अवसर पर सीओ राजापुर निष्ठा उपाध्याय, तहसीलदार रामसुधार राम, थाना सरधुवा प्रभारी आशुतोष तिवारी सहित ग्राम प्रधान व लेखपाल मौजूद रहे।

बुखार से ग्रसित दो बच्चों की मौत

चित्रकूट। अलग–अलग स्थानों में बुखार से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया।पहाड़ी थाना क्षेत्र के परसौंजा गांव निवासी नत्थू ने बताया कि तीन वर्षीय हिमांशू को बीते दो दिन पहले बुखार आया। जिसका इलाज चल रहा था। हालत में सुधार होने पर बीती सुबह जिला अस्पताल लेकर गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा झांसी जिले के मऊरानीपुर निवासी राजेन्द्र कुमार की तीन वर्षीय पुत्री रबीना अपनी मां ज्ञानमती के साथ ननिहाल सलैया पुरवा कर्वी बीते दिनो आई थी। दो दिन से बुखार आ रहा था। परिजन देर रात जिला अस्पताल लाए। जहां उसकी मृत्यु हो गई। घटना से दोनो मृत बच्चों के परिवार में कोहराम मच गया।

डीसीएम चालक की हार्टअटैक से मृत्यु

चित्रकूट। डीसीएम चालक को दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। कानपुर देहात के भोगनीपुर के सुकसौदा गांव निवासी गौतम सिंह (45) पुत्र भैरो मुख्यालय कर्वी में डीसीएम से माल लेकर आया था। शनिवार को वाहन में प्लास्टिक कबाड़ लोड़ करा रहा था। अचानक सीने में दर्द होने पर स्थानीय लोग जिला अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में शोक छा गया। मृतक के एक पुत्र व दो पुत्र हैं। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।

पैर में इंफेक्शन से अर्दली की गई जान

चित्रकूट। पैर में इंफेक्शन फैलने से एसडीएम के अर्दली की मौत हो गई। बताया गया कि सरधुवा थाना क्षेत्र के लमियारी गांव निवासी भुलुवा प्रसाद पुत्र मुरली प्रसाद मानिकपुर एसडीएम का अर्दली था। काफी समय पहले सड़क दुर्घटना में दाहिना पैर टूट गया था। इसके बाद से पैर में इंफेक्शन फैल गया। काफी इलाज के बावजूद सुधार नहीं हुआ। बीती शाम शहर के प्राईवेट अस्पताल परिजन ले गए। यहां से जिला अस्पताल लाए। डाक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के दो पुत्र, एक दिव्यांग पुत्री है। पत्नी शिवकन्या का रो–रोकर बुरा हाल है।

कर्मचारी आवास का लोकार्पण

सोनभद्र । प्रशासनिक न्यायमूर्ति माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद सौरभ श्रीवास्तव ने आज वाहय न्यायालय ओबरा परिसर में स्थित अधिकारी आवास, टाइप 5 एवं कर्मचारी आवास टाइप फर्स्ट व सेकंड का फीता काटकर लोकार्पण किये, इस अवसर पर माननीय जनपद न्यायाधीश रविन्द्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी बीवएन व सिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, सहित सम्मानित न्यायाधीशगण, उप जिलाधिकारी ओबरा एवं परियोजना प्रबंधक सी0एन0डी0एस उपस्थित रहें। इसके पश्चात प्रशासनिक न्याय मूर्ति माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद सौरभ श्रीवास्तव, मा0 जनपद न्यायाधीश रविन्द्र विक्रम सिंह, जिलाधिकारी बीवएन वसिंह, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने न्यायालय परिसर में वृक्षारोपण भी किये।

तहसील इकाई की बैठक हुई संम्पन्न

सोनभद्र । रविवार को पीडब्ल्यूडी सभा हाल में ग्रापए की तहसील इकाई की बैठक जिलाध्यक्ष डॉ0 परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव(पुष्कर) की अध्यक्षता में किया गया। सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष का सर्वप्रथम माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। श्रीवास्तव ने संघठन के विशेष महत्व को बताते हुए कहा कि यह ग्रापए संगठन जिले का ही नही प्रदेश का सबसे बड़ा संगठन है। संगठन की बैठक वर्ष में कम से कम चार बार बैठक होनी चाहिए। संगठन को मजबूत करने के लिए जिले में संख्या बल अधिक से अधिक करनी होगी। पत्रकारों के हित की बातें करने वाला यह हमारा संगठन है। पत्रकार साथियों को बताये की आप की आवाज बुलंद करने के लिए मुख्यमंत्री से बातचीत की गई है। इस दौरान जिलाध्यक्ष डॉ0परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव, बुद्धिनाथ यादव,तहसील अध्यक्ष रामकेश यादव, उपाध्यक्ष सेराज अहमद,उपाध्यक्ष विनोद मिश्र, रामनरेश शुक्ल ,हनीफ खान आदि लोग उपस्थित रहे ।

जर्जर डाकघर के भवन में कार्य करने को मजबूर कर्मचारी

बल्दीराय/सुलतानपुर । तहसील बल्दीराय क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में स्थित डाकघर अधिकारियों की उपेक्षा का शिकार बन गया है। विभागीय अधिकारी इस साढे तीन दशक पुराने डाक घर की मरम्मत हेतु सार्थक कार्यवाई नही कर पा रहे है डाकघर भवन दशा अत्यंत दयनीय होती जा रही है।

बता दे कि बल्दीराय डाकघर का निर्माण 1987 में हुआ था, जर्जर होने अवस्था में विभाग द्वारा 2009 में डाकघर को मरम्मतीकरण कराया गया था। डाकघर भवन के पीछे बने पिलर धराशायी होने के कगार पर है पिलर की गिट्टी उखड़ कर विखर गई जिससे मजबूती न के बराबर है, दीवारो का प्लास्टर जगह जगह उखड़ गया है। डाकघर के अंदर दीवारो में दरारें दिखाई देने लगी है डाकघर के कार्यालय में कार्य कर रहे कर्मचारियो को हमेशा घटना होने का भय व्याप्त रहता है। फिलहाल इस जर्जर डाकघर की सुधि न तो विभाग के शीर्ष अधिकारी ले रहे है और न ही शासन के जिम्मेदार। इस संबंध में डाक अधीक्षक सुल्तानपुर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मरम्मतीकरण के लिए विभाग को चिट्ठी लिखी गई है बजट स्वीकृत होने पर मरमती करण का कार्य शुरू कराया जाएगा। क्षेत्र के नागरिको ने विभाग के उच्चाधिकारियो से अविलंब डाकघर के मरम्मती करण कराए जाने की मांग की है।

लापरवाह एंबुलेंस कर्मियों की शिकायत कर लगाई गुहार

ड्रमंड गंज मिर्जापुर। क्षेत्र के गलरा गांव निवासी अंकित मिश्र ने घायलों को समय से एंबुलेंस उपलब्ध नही कराने और कार्य में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए एंबुलेंस कर्मियों के खिलाफ रविवार को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई है।दिए गए प्रार्थना पत्र में अंकित मिश्र ने बताया कि बीते शनिवार को शाम चार बजे के करीब ड्रमंडगंज क्षेत्र के मीरजापुर रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित लहुरियादह गांव में ट्रक की टक्कर से पिकप वाहन में सवार चालक सहित छह लोग घायल थे। जिसमें दो महिलाओं सहित एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए थे रक्तस्राव अधिक होने के कारण तीनों घायलों को तत्काल उपचार की जरूरत थी। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस के अलावा एंबुलेंस सेवा 108 पर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस घायलों को उपचार हेतु अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस का इंतजार कर रही थी लेकिन एक घंटे बाद भी एंबुलेंस वाहन नही पहुंचा। पीआरवी 1075 के कांस्टेबल विशाल कुमार पासवान व अंकित यादव ने ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को उपचार हेतु निजी साधन से न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज भिजवाया। जहां न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज के स्वास्थ्य कर्मियों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार किया जिसमें गंभीर रूप से घायल 70 वर्षीय श्याम लाल व उनकी 65 वर्षीया पत्नी लोदी निवासी बढ़ैया थाना हनुमना जिला मऊगंज मध्यप्रदेश व 50 वर्षीया लीलावती निवासी भैसोड़ बलाय पहाड़ थाना ड्रमंडगंज के सिर में आई गंभीर चोट और हालत नाजुक देखते हुए मंडलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया।एक घंटे बाद घटना स्थल लहुरियादह गांव में तीन एंबुलेंस वाहन पहुंचे तो मौके पर मौजूद थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद कुमार सरोज ने एंबुलेंस चालकों तत्काल न्यू पीएचसी ड्रमंडगंज पहुंचने के लिए कहा ताकि रेफर होने पर घायलों को समय से मंडलीय चिकित्सालय पहुंचाया जा सके। रेफर किए गए तीनों घायलों को मंडलीय अस्पताल ले जाने के लिए मैंने एंबुलेंस सेवा 108 पर फोन किया तो न्यू पीएचसी पर एक घंटे बाद पहुंचे 108 एंबुलेंस सेवा के पायलट प्रदीप पांडेय और एंबुलेंस सेवा 102 के ईएमटी दीपक यादव कहा कि जबतक आईडी जेनरेट नही होगी तब तक घायल को नही ले जा सकते हैं। मामले की जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज अरविंद कुमार सरोज ने एंबुलेंस कर्मियों को घायलों की जान खतरे में होने की बात कहते हुए फटकार लगाई और कहा कि आईडी रास्ते में भी जेनरेट हो सकती है। थानाध्यक्ष ने जिंदगी मौत से जूझ रहे घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। एंबुलेंस कर्मियों के इस रवैए से घायलों की जान खतरे में पड़ सकती थी।

जिला कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुआ सम्पन्न

प्रतापगढ़। जिला कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन स्पोर्ट्स स्टेडियम प्रतापगढ़ में संपन्न हुआ। क्रीड़ा अधिकारी पूनम लता राज ने प्रतियोगिता का शुभारंभ व समापन किया, प्रतियोगिता में साकेत गर्ल्स कॉलेज, आशा इंटरमीडिएट कॉलेज चौखट, एमडीपीजी कॉलेज, आनंदवन इंटर कॉलेज, अत्रेय एकेडमी, मालती इंटर कॉलेज, पीबीपीजी कॉलेज सहित बहुत सारे खिलाड़ियों ने प्रतिभा किया, इस मौके पर कीड़ा अधिकारी ने बच्चों को खेल में प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुश्ती बालक वर्ग में 40 से 45 किलोग्राम भार में सलमान प्रथम व रोहन सिंह द्वितीय, 45 से 50 किलोग्राम भार में विनीत गुप्ता प्रथम व देव कुमार द्वितीय, 51 से 55 किलोग्राम भार में शनि सरोज प्रथम व उत्कर्ष कुमार सरोज द्वितीय, 55 से 60 किलोग्राम भार में करन प्रथम व प्रशांत मौर्य द्वितीय, 60 प्लस किलोग्राम भार में आलोक रंजन प्रथम व शाहिद अली द्वितीय, बालिका वर्ग में 35 से 40 किलोग्राम भार में बबीता वर्मा प्रथम व सेजल सरोज द्वितीय, 41 से 45 किलोग्राम भार में कुसुम पटेल प्रथम व खुशी द्वितीय, 46 से 50 किलोग्राम भार में काजल पटेल प्रथम व लक्ष्मी पटेल द्वितीय, 50 से 55 किलोग्राम भार में कंचन प्रथम व राधिका द्वितीय, 55 प्लस किलोग्राम भार में शहरिन बानो प्रथम व रिया यादव द्वितीय रही। इस मौके पर सारे विद्यालयों के प्रशिक्षक, स्टेडियम के सारे प्रशिक्षक सचिन शुक्ला, सोमनाथ यादव, बुद्ध प्रकाश, निखिल कुमार, अरविंद कुमार, जयप्रकाश यादव, आदित्य शुक्ला, आशुतोष सिंह सहित जिला कुश्ती संघ के सचिव जय बहादुर सिंह संयुक्त सचिव गौरव सिंह, दुर्गेश तिवारी, संजय पांडे, सुधाकर पांडे सहित बहुत सारे खिलाड़ी व व्यक्ति उपस्थित रहे। अंत में उपक्रीड़ा अधिकारी रंजीत यादव ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

डीएम–एसपी ने विजेता टीम व खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

चित्रकूट। पुलिस लाइन में चल रही तीन दिवसीय 27वीं अंर्तजनपदीय प्रयागराज जोन पुलिस अलार्म एफीसिएन्सी रेस एवं राइफल, रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता के विजेता टीम व खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने एसपी अरूण कुमार सिंह की उपस्थिति में पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के समापन की घोषणा के साथ प्रयागराज जोन का ध्वज मुख्य अतिथि ने आयोजन सचिव पुलिस अधीक्षक को सौंपा।

अलार्म एफिसिएन्सी रेस प्रतियोगिता में जनपद हमीरपुर विजेता, शूटिंग में चित्रकूट ने बाजी मारी। सौ गज राइफल फायरिंग में आरक्षी जितेन्द्र सिंह जनपद महोबा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दो सौ गज राईफल फायरिंग में चन्द्रकान्त दीक्षित चित्रकूट अव्वल रहे। तीन सौ गज राईफल फायरिंग में आरक्षी अमित कुमार हमीरपुर ने प्रथम स्थान हासिल किया। तीन सौ गज स्नैप राइफल फायरिंग में आरक्षी शिवनारायण नरवरिया चित्रकूट प्रथम, तीन सौ गज थ्रीपी राईफल फायरिंग में मुख्य आरक्षी दीपप्रकाश चित्रकूट प्रथम, तीन मीटर बिग बोर पुरुष राईफल फायरिंग में चित्रकूट ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तीन सौ गज प्रोन पुरुष राईफल फायरिंग में मुख्य आरक्षी दीपप्रकाश चित्रकूट ने प्रथम, तीन सौ गज प्रोन पोजिशन व्यक्तिगत, तीन सौ गज सर्वश्रेष्ठ एवं तीन सौ गज बिग बोर महिला राइफल फायरिंग में महिला आरक्षी प्रतीक्षा मौर्या जनपद बांदा विजेता रहीं। तीन सौ मीटर बिग बोर रायफल फायरिंग में आर्मोरर शैलेन्द्र कुमार चित्रकूट ने प्रथम स्थान, तीन सौ मीटर बिग बोर व्यक्तिगत रायफल महिला फायरिंग में महिला आरक्षी स्वाती वर्मा जनपद प्रतापगढ़ ने प्रथम, 15, 25 व 50 गज रिवाल्वर पिस्टल फायरिंग के विजेता एसआई राजेश कुमार यादव हमीरपुर, 30 गज रिवाल्वर पिस्टल फायरिंग के विजेता पुलिस उपाधीक्षक प्रशिक्षु फहद अली चित्रकूट प्रथम स्थान पर रहे। चौम्पियनशिप एसाल्ट में जनपद हमीरपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राइफल पुरानी और नई स्पर्धा चौम्पिनशिप में चित्रकूट अव्वल रहा।

बुखार–पेटदर्द से दो वृद्ध, दो बच्चों की मौत, छह भर्ती

चित्रकूट। पहाड़ी के रेहुंटा निवासी सीताराम (70) को तेज बुखार व पेटदर्द होने पर परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुत्र राजकिशोर ने बताया कि सोमवार की सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। लोढ़वारा गांव निवासी जयकरन ने बताया कि उसके बाबा पुनिवा (65) को पेटदर्द व बुखार की दो दिनों से शिकायत थी। पास के प्राइवेट अस्पताल में इलाज कराया लेकिन इससे राहत नहीं मिली। इसके बाद रविवार की रात को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। रींवा जिले के बदाश रामबाग निवासी धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि उसकी छह साल की पुत्री प्रांजली की चित्रकूट आते समय रास्ते में पेटदर्द के बाद उल्टी दस्त की शिकायत होने लगी। उसे रविवार की रात को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसी क्रम में हमीरपुर मौदहा के मकरा निवासी राममनोहर की दो माह के पुत्र कृष्णा की बुखार से चलते अस्पताल लाते समय रास्ते में मौत हो गई। इसके अलावा जिला अस्पताल में मकरी निवासी इंद्रसेन, बबलू, कसहाई निवासी चुनकी देवी, अहमदगंज निवासी रसीद कुमार, मानिकपुर निवासी छंगू, अमानपुर निवासी गुडिया देवी को बुखार पेटदर्द होने पर भर्ती कराया गया है।

बगीचे में पेड़ से लटकता मिला युवती का षव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र में आदमपुर के पास सड़क किनारे एक बगीचे में एक युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सुबह दौड़ लगा रहे युवकों ने युवती का शव पेड़ से लटकता देखकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम जांच पड़ताल किया। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के आदमपुर सड़क किनारे एक बगीचे के पास एक अज्ञात युवती की हत्या के बाद शव को पेड़ से लटकाने की आंशका जताई जा रही है। युवती के मुंह पर खून के निशान है। सुबह करीब 7 बजे दौड़ लगा रहे युवकों ने शव देखकर पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमॉर्टम हाउस भेज दिया। युवती की शिनाख्त कराने का प्रयास करा रही है। आदमपुर के पास शुक्रवार की सुबह रास्ते के किनारे बाग में पेड़ के सहारे फंदे से युवती का शव लटक रहा था। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सरायख्वाजा थाना प्रभारी आसपास के लोगों को महिला की फोटो दिखाकर शिनाख्त कराने के प्रयास में जुटे है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका युवती की उम्र करीब 20 से 22 साल प्रतीक हो रही है। संभावना है कि महिला ने आत्महत्या किया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर मौत के कारण का पता चलेगा। लोगों से पूछताछ कर युवती की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

पंडा समाज को अपमानित करने को लेकर सौंपा ज्ञापन

मीरजापुर। एक यूट्यूब चौनल पर प्रसारित हो रहे खबर को संज्ञान में लेते हुए विंध्य पंडा समाज के लोगों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए पंडा समाज को बदनाम करने का आरोप लगाया है। विंध्याचल धाम के तीर्थ पुरोहित अवनीश मिश्रा के नेतृत्व में बिना पंडा समाज के लोगों ने जिला अधिकारी से मिलकर बताया की

यू–ट्यूब चौनल चलाने वाले व्यक्ति द्वारा बार–बार पांच पण्डों द्वारा एक दलित महिला की सामूहिक दुष्कर्म किया गया है कहते हुए इस तरह का खबर यूट्यूब चौनल पर प्रसारित किया गया है, जिससे मॉ विन्ध्यवासिनी मंदिर विन्ध्याचल के पण्डा समाज में इस मिथ्या खबर से लोगों की भावना पर काफी ठेस पहुंची है। जिसकी जांच कराये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। कहा गया है कि वीडियों में जिस तरह से विन्ध्याचल का पण्डा समाज को कई बार बोला गया व पीड़ित पक्ष से बार–बार पण्डा कहने के लिए प्रेरित किया गया जो कि सर्वथा अनुचित है। और पण्डा समाज को बदनाम करने की साजिश को प्रदर्शित करता है। जबकि उक्त घटना से विन्ध्याचल के पण्डा–पुरोहित से दूर–दूर तक कोई वास्ता सरोकार नहीं है। उक्त यूट्यूब चौनल के वीडियो में जो दृश्य दिखाया व बोला गया है, उससे विन्ध्याचल के पण्डा व पुरोहित मर्माहत हुए हैं, उनके मान–सम्मान पर ठेस पहुंची है व मां विन्ध्यवासिनी को मंदिर व क्षेत्र की गरिमा को आघात पहुंचा है।सभी ने एक स्वर में यूट्यूब चौनल व पत्रकार के विरूद्ध कार्यवाही करने की मांग की है।

सूचना

सर्वसम्बन्धितों को सूचित किया जाता हे कि मेरी माता का नाम एसबीएससी बोर्ड इण्टर की मार्कशीट अनुक्रमांक नं 23742582 में Usha Shula प्रिंट है जो अशुद्ध है। शुद्ध नाम Usha Shukla होना चाहिए।

शपथकर्ता

Anant shukla
Sanjay kumar shukla
School Name- Laurels international School, Sarangapur Prayagraj
Mb. No.9935660645

सपा ने दूसरी बार मुज्तबा को फिर दिया मौका, तीन बार बसपा से रहे हैं विधायक

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी से तीन बार विधायक रहे मुज्तबा सिद्दीकी पर समाजवादी पार्टी ने लगातार दूसरी बार भरोसा जताया है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में महज 2732 वोट से शिकस्त खाने वाले मुज्तबा सिद्दीकी सपा से दूसरी बार फूलपुर विधानसभा से ताल ठोकेंगे। मुज्तबा सिद्दीकी ने 2022 फूलपुर विधानसभा चुनाव पूरी दमदारी से लड़ा था। भाजपा के प्रवीण पटेल बड़ी मुश्किल से जीत हासिल कर सके थे। इसके अलावा इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में सपा को फूलपुर विधानसभा सीट से 17 हजार की लीड मिली थी। इस कारण कार्यकर्ता खासे उत्साह में हैं। मुज्तबा के राजनीतिक सफरनामे की बात करें तो 2002 में उन्होंने बसपा के टिकट पर सोरांव विधानसभा से किस्मत आजमाई। पहले ही चुनाव में उन्होंने जीत हासिल की। बसपा ने 2007 के चुनाव में भी प्रत्याशी बनाया। इस बार भी वह जीत गए। 2012 के चुनाव में बसपा

ने मुज्तबा की सीट बदल दी। उन्हें प्रतापपुर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बनाया। हालांकि, यह चुनाव वह हार गए। 2017 के चुनाव में बसपा ने उन्हें एक बार फिर प्रतापपुर से ही टिकट दिया। इस बार वह जीत गए। बताया जाता है कि इस चुनाव के बाद से ही उनकी बसपा प्रमुख से अनबन शुरू हो गई। 2022 आते–आते उन्होंने बसपा छोड़ समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। 2022 के चुनाव में वह फूलपुर विधानसभा से पहली बार लड़े। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान सांसद प्रवीण पटेल को टक्कर भी दी, लेकिन मामूली अंतर से वह चुनाव हार गए। अब एक बार फिर से वह इसी सीट से ताल ठोंकने के लिए तैयार हैं। फूलपुर के लिलहट गांव निवासी मुज्तबा सिद्दीकी छह भाई–बहनों में सबसे छोटे हैं। मुज्तबा का सियासी सफर 1988 में शुरू हुआ। तब उन्होंने ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। 1993 तक वह ग्राम प्रधान रहे। प्रयागराज के रोशनबाग में भी उनका आवास है। मुज्तबा सिद्दीकी के पास एक पेट्रोल पंप एवं गैस एजेंसी है। गंगापार में उनका एक निजी कॉलेज भी है। 2024 में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान सपा ने मुज्तबा को फूलपुर सीट का प्रभारी बनाया। उस चुनाव में फूलपुर विधानसभा सीट में सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य को प्रवीण पटेल के मुकाबले 17 हजार से ज्यादा मत हासिल हुए। बताया जा रहा है कि इन्हीं कारणों से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उनपर भरोसा जताया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उस पर पूरी तरह से खरा उतरने का प्रयास करूंगा। फूलपुर ही नहीं, प्रदेश की जिन सीटों पर उपचुनाव होना है वहां सपा और गठबंधन प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है। – मुज्तबा सिद्दीकी, पूर्व विधायक एवं प्रत्याशी फूलपुर विधानसभा। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी द्वारा प्रत्याशी की घोषणा के बाद अब हर किसी की निगाहें भाजपा पर टिकी हैं। सपा की ओर से मुस्लिम प्रत्याशी मुज्तबा को उतारे जाने के बाद चर्चा है कि भाजपा इस सीट से कुर्मी बिरादरी के नेता को टिकट थमा सकती है। प्रत्याशी कौन होगा, यह डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के रुख पर भी काफी निर्भर है। पार्टी ने उन्हें इस सीट का प्रभारी बनाया है। उनकी रजामंदी के बिना पार्टी प्रत्याशी की घोषणा नहीं करेगी। केशव भी फूलपुर में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे हैं। दशहरा बाद उनका एक बार फिर से आने का कार्यक्रम बन रहा है। वर्तमान समय में फूलपुर विधानसभा में टिकट के जिन दावेदारों के नाम सामने आए हैं उसमें पूर्व विधायक दीपक पटेल, सांसद प्रवीण पटेल की पत्नी गोल्डी पटेल, डॉ. विक्रम सिंह पटेल, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा अश्विनी कुमार पटेल, अरुण सिंह पटेल, राम पटेल एवं पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष फूलपुर अमरनाथ मौर्य, पूर्व सांसद नागेंद्र सिंह पटेल, गंगापार जिला कोषाध्यक्ष आशीष केसरवानी प्रमुख रूप से शामिल हैं। भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि प्रत्याशियों के नाम को लेकर मंथन चल रहा है। उम्मीद है कि बहुत जल्द पार्टी उम्मीदवार का नाम घोषित करेगी।

अक्तूबर से बदल जाएगा सभी विमानों का समय, लागू होगा विंटर शेड्यूल

प्रयागराज। 27 अक्तूबर से सभी विमानों का समय बदल जाएगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) विंटर शेड्यूल लागू करने जा रहा है। यह तकरीबन पांच माह तक प्रभावी रहेगा। विंटर शेड्यूल में इंडिगो की हैदराबाद, रायपुर एवं अकासा एयर की मुंबई उड़ान को जगह दी गई है, जबकि इंडिगो की भोपाल एवं देहरादून शेड्यूल में शामिल नहीं है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में अहमदाबाद समेत कुछ अन्य शहरों के लिए शुरू होने वाली नई उड़ानों को विंटर शेड्यूल में शामिल किया जा सकता है। प्रमुख उड़ानों की बात करें तो इंडिगो की दिल्ली उड़ान अब प्रयागराज से 12.55 की जगह दोपहर 3.10 बजे रवाना होगी। दिल्ली से प्रयागराज के लिए इसकी रवानगी सुबह 11.10 की जगह दोपहर 1.15 बजे होगी। इसी तरह प्रयागराज से इंडिगो की मुंबई उड़ान दोपहर 2.30 की जगह 1.30 बजे रवाना होगी। मुंबई से प्रयागराज के लिए यह विमान 11. 55 की जगह सुबह 10.50 बजे उड़ान भरेगा। प्रयागराज बंगलूरू उड़ान सुबह 11.30 की जगह दोपहर 1.20 बजे उड़ान भरेगी। इंडिगो की हैदराबाद की एकमात्र उड़ान है जिसका समय विंटर शेड्यूल में नहीं बदला गया है। यह विमान पहले की तरह ही सुबह 11.20 बजे यहां से उड़ान भरेगा।

चौड़ा हो रहा त्रिवेणी मार्ग, 10 मीटर छोटा हो गया मिंटो पार्क

प्रयागराज। महाकुम्भ के लिए शहर की सड़कों को चौड़ा किया जा रहा है। सड़कों किनारे और चौराहों पर ग्रीनरी को बढ़ाने पर करोड़ों रुपये खर्च हो रहे हैं। वहीं विकास के नाम पर धीरे–धीरे बच्चों के पार्क का दायरा सिमटता जा रहा है। इस बार महाकुम्भ के लिए यमुना बैंक रोड पर बने मदन मोहन मालवीय उद्यान (मिंटो पार्क) का दायरा सिमट रहा है। इसके पूर्व पन्ना लाल रोड को चौड़ा करने के लिए आजाद पार्क को एक मीटर छोटा किया जा चुका है। नैनी ब्रिज की ओर पार्क की मूल बाउंड्रीवॉल गिराकर नया निर्माण भी कर दिया गया है। अब दूसरी ओर से लगभग 10 मिटर जमीन मेला प्राधिकरण ने अधिग्रहित कर ली है। जिसे छोटा कर त्रिवेणी मार्ग को चौड़ा किया जा रहा है। दरअसल, महाकुम्भ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन का अनुमान है। पुराने यमुना ब्रिज से यमुना बैंक रोड के रास्ते जब लोग मेला क्षेत्र में जाते हैं तो उन्हें नए यमुना ब्रिज के नीचे से जाना होता है। इस दौरान मिंटो पार्क गेट से लेकर सामने सड़क पर जाम लग जाता है। अभी ही जाम की स्थिति हो रही है तो महाकुम्भ के दौरान हालात और खराब होंगे। ऐसे में मार्ग को चौड़ा करने का काम प्रस्तावित है। मदन मोहन मालवीय उद्यान मिंटो मेमोरियल सोसायटी के नाम है। साथ ही यह सेना की जमीन पर है। सोसायटी को जमीन लीज पर दी गई थी। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने सोसायटी व सेना की अनुमति लेकर पार्क की 10 मीटर की जमीन ले ली है। इसे छोटा किया जा रहा है। इससे क्षेत्रीय लोगों में नाराजगी है। प्रतिदिन मिंटो पार्क टहलने के लिए आने वाले धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि हमारा पूर्व से ही प्रयास था कि पार्क की जमीन न कम हो, लेकिन इसे लिया गया है और काम शुरू कर दिया गया है। वहीं शिवानंद अवस्थी, राधे श्याम श्रीवास्तव का कहना है कि इस पार्क में बच्चे और बुजुर्ग दोनों आते हैं। विकास के नाम पर पार्कों को छोटा किया जाना समझ से परे है। पार्क में मेला प्राधिकरण की ओर से द्वादश ज्योतिर्लिंग का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए बजट स्वीकृत हो चुका है। काम भी शुरू हो चुका है। निर्माण से खूबसूरती तो बढ़ेगी लेकिन दायरा और कम हो जाएगा।

मीट, मछली दुकानों के खिलाफ अभियान शुरू

प्रयागराज। महाकुम्भ के मद्देनजर संगम के आसपास मोहल्ले में मीट और मछली की दुकानें बंद कराने का अभियान शुरू हो गया। नगर निगम के पशुधन विभाग ने पहले दिन संगम क्षेत्र के पास सब्जी मंडी में एक मीट और आठ मछली की दुकानें बंद कराई गई। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि जिस भवन में मीट की दुकान थी, उसके मालिक को भविष्य में मीट की दुकानें नहीं खोलने की चेतावनी दी गई है। संगम के अलावा गंगा–यमुना किनारे 500 मीटर दायरे में यह अभियान चलेगा। महाकुम्भ शुरू होने के पहले गंगा–यमुना किनारे भी दुकानें बंद कराने की योजना है।

स्नान क्षेत्र के आवारा कुत्तों को लगेगा एंटी रैबिज इंजेक्शन

प्रयागराज। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को कटखने कुत्तों से बचाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत शहर के सभी स्नान क्षेत्र के आवारा कुत्तों को एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाया जाएगा। कुत्तों का बधियाकरण भी होगा। एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाने और बधियाकरण का अभियान बुधवार से शुरू कर दिया गया। नगर निगम के पशुधन विभाग की टीम पहले दिन संगम क्षेत्र पहुंची और आवारा कुत्तों की धरपकड़ शुरू कर दी। पहले दिन संगम क्षेत्र से 16 कुत्ते पकड़े गए। सभी को नगर निगम के करेली स्थित डॉग सेंटर ले जाया गया। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि केंद्र पर कुत्तों को एंटी रैबिज इंजेक्शन लगाने के साथ बधियाकरण किया जाएगा।

तमंचा व कारतूस के साथ एक धराया

प्रयागराज। एयरपोर्ट थाने की पुलिस ने बुधवार को मुखबिर की सूचना पर खानपुर सतवा गांव जाने वाले मार्ग पर गिरफ्तार किया। उसके से एक तमंचा व दो जिंदा कारतूस बरामद की गई। आरोपी सतवा चिरला गांव निवासी सुभाष सिंह के खिलाफ धारा 3\25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस कमिश्नर ने किया पैदल गश्त

प्रयागराज। नवरात्र सहित आगामी त्योहारों के मद्देनजर बुधवार की शाम पुलिस आयुक्त तरुण गाबा ने पुलिस टीम के साथ शहर के दुर्गा पूजा पंडालों व सार्वजनिक स्थानों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने टीम के साथ कर्नलगंज थानांतर्गत भारद्वाज पार्क, आनंद भवन, कर्नलगंज, नेतराम चौराहा, मनमोहन पार्क सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: 10120242025 — दिनांक : 07.10.2024

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्यों के लिये ई-निविदाएँ प्रपत्र पर दिनांक 29.10.2024 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं.: 223	अनुमानित मूल्य (रू) : 1,03,00,047.50	बयाने की रकम (रू): 2,01,500.00

कार्यों का विवरण : सहायक मण्डल अभियन्ता/मु0/द्वितीय/कानपुर के अंतर्गत एस.एस.ई/डब्लू/स्टे0, सी.पी.सी. मुख्या0 जूही और स्पे0-1/कानपुर के अनुभाग में दो वर्ष के लिए कानपुर में विभिन्न कालोनियों और सेवा भवनों से सीवर लाइन, मैनहोल की सफाई और मलबे हटाने का कार्य।

कार्य समापन की अवधि : 24 माह	निविदा खुलने की तिथि : 29.10.2024

इलिजिबिलिटी क्राइटएरिया के अर्न्तगत सिमिलर कार्य : कोई सिविल इंजीनियरिंग कार्य

नोट : 1. आन लाइन निविदा दिनांक 29.10.2024 को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है। 2. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर समय 13:30 बजे टेण्डर खुलने की तिथि 29.10.2024 तक उपलब्ध है। 1766/24 (D)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

महाकुंभ के लिए रेलवे पहली बार जारी करेगा टोल फ्री नंबर, ट्रेनों व मेले से संबंधित मिलेगी जानकारी

प्रयागराज। अगले वर्ष की शुरुआत में लगने वाले महाकुंभ की तैयारियों को रेलवे ने अंतिम रूप दे दिया है। कुंभ के मौके पर उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल पहली बार टोल फ्री नंबर जारी करने जा रहा है। यह नंबर 18004199139 रहेगा। एक नवंबर 2024 से यह नंबर एक्टिवेट हो जाएगा। बृहस्पतिवार को मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय में डीआरएम हिमांशु बडोनी ने बताया कि इस टोल फ्री नंबर के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के श्रद्धालुओं को महाकुंभ से जुड़ीं तमाम सुविधाएं, स्पेशल ट्रेनों की जानकारी, प्रयागराज और आसपास जनपदों के दर्शनीय स्थल आदि के बारे में जानकारी मिल जाएगी। डीआरएम ने बताया कि यह टोल फ्री नंबर 24 घंटे काम करेगा। इसके लिए एक टीम का गठन किया गया है। टोल फ्री नंबर पर हिंदी और अंग्रेजी समेत कुल 10 भाषाओं में संवाद किया जाएगा। इसके अलावा महाकुंभ को लेकर प्रयागराज जंक्शन के बाद अब प्रयागराज छिवकी पर भी मे आई हेल्प यू काउंटर खोला जा रहा है। इसके माध्यम से यात्री प्रयागराज के होटल, अतिथि गृह, कैब की बुकिंग आदि सुविधाओं का लाभ ले सकेंगे। डीआरएम ने बताया कि चौफटका से सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन के ऊपर से निकलने वाला रेल ओवरब्रिज का निर्माण 15 दिसंबर तक हो जाएगा। यह पहला मौका है जब कुंभ के पहले प्रयागराज को 21 रेलवे ओवर ब्रिज, रेल अंडर ब्रिज की सौगात मिलने जा रही है। कुछ पुल इस माह तो अगले माह शुरू हो जाएंगे। महाकुंभ के दौरान प्रमुख स्नान पर्व के मौके पर यात्रियों का क्रॉस मूवमेंट न हो इसके लिए आने और जाने का रास्ता अलग–अलग रखा जा रहा है। स्नान पर्व के मौके पर सभी स्टेशनों की वाहन पार्किंग बंद रहेगी। इसके अलावा पार्सल सेवा भी स्नान पर्वों पर बंद रहेगा। प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी आदि स्टेशनों पर लगे एस्केलेटर भी स्नान पर्वों पर बंद रहेंगे।

चार दिन दिल्ली तो तीन दिन प्रयागराज नहीं आएगी आगरा वंदे भारत एक्सप्रेस, मार्ग परिवर्तित

प्रयागराज। अगले कुछ प्रयागराज से दिल्ली और अन्य रूटों पर सफर करने वाले यात्रियों पर भारी होने वाले हैं। प्रयागराज जंक्शन पर यार्ड रिमॉडलिंग की वजह से जंक्शन आने वाली 69 ट्रेनों को डायवर्ट किया गया है। 16 से 21 अक्तूबर की अवधि में वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली दोनों वंदे भारत का प्रयागराज जंक्शन पर 18 से 21 अक्तूबर तक आगमन–प्रस्थान नहीं होगा। इस अवधि में आगरा–वाराणसी वंदे भारत 19 से 21 अक्तूबर तक प्रयागराज जंक्शन नहीं आएगी। इन तीन जोड़ी वंदे भारत एक्सप्रेस का संचालन कानपुर और लखनऊ होते हुए वाराणसी तक होगा। इसके अलावा 11061 लोकमान्य तिलक–जयनगर, 11062 जयनगर–लोकमान्य तिलक, 11107 ग्वालियर–बनारस बुंदेलखंड, 11108 बनारस– ग्वालियर बुंदेलखंड, 15181 मऊ– लोकमान्य तिलक, 15159 छपरा–दुर्ग सारनाथ एक्सप्रेस, 15160 दुर्ग–छपरा, 18205 दुर्ग–नवतनवा, 18206 नौतनवा–दुर्ग,

20933 उधना– दानापुर, 20934 दानापुर–उधना, 22669 एरीच रोड–पटना, 12791 सिकंदराबाद–दानापुर, 12792 दानापुर–सिकंदराबाद, 12307 हावड़ा–जोधपुर, 22308 बीकानेर–हावड़ा, 12987 सियालदाह–अजमेर, 12988 अजमेर–सियालदाह, 15634 गुवाहाटी–बीकानेर, 22535 रामेश्वरम–बनारस, 22536 बनारस–रामेश्वरम का ठहराव छिवकी स्टेशन पर होगा। इसी तरह 14005 सीतामढ़ी–आनंद विहार, 14006 आनंद विहार–सीतामढ़ी, 12561 जयनगर–नई दिल्ली, 12562 नई दिल्ली–जयनगर, 22433 गाजीपुर–आनंद विहार, 22434 आनंद विहार–गाजीपुर का फाफामऊ स्टेशन पर रुकेगी।

किन्नर अखाड़े में दो फाड़, महामंडलेश्वर भवानीनंद गिरि ने दिया इस्तीफा, बनाया किन्नर धाम

प्रयागराज। जूना अखाड़े से संबद्ध किन्नर अखाड़ा दो फाड़ हो गया है। अंदरूनी कलह की वजह से महामंडलेश्वर भवानीनंद गिरि ने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने किन्नर अखाड़े अलग किन्नर धाम बना लिया है।उन्होंने किन्नर अखाड़े के नाम पर भूमि सुविधाएं लेने और शिविर लगाने से भी इन्कार कर दिया है। माघ मेले के दौरान शिविर में आग लगने को लेकर छिड़े विवाद की लपटें किन्नर अखाड़े में टूट–फूट का सबब बन गई

हैं। किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने विवाद सुलझाने की कोशिश की लेकिन, मान–मनौव्वल बेकार चली गई। अखाड़े में घमासान तब तेज हो गया जब लक्ष्मीनारायण ने भवानीनंद गिरि के निष्कासन की घोषणा कर दी। निष्कासन के बाद भवानीनंद गिरि ने इस्तीफा दे दिया। इससे नाराज होकर भवानीनंद ने अलग राह बना ली। हरिद्वार में भवानीनंद गिरि उर्फ भवानी मां ने किन्नर अखाड़े से अलग किन्नर धाम बना लिया है। वह वहीं से ही सनातन धर्म के प्रचार के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने किन्नर घाट का भी निर्माण कराया है। इसके अलावा किन्नरों के हितों की रक्षा के लिए अलग आश्रम भी बना लिया है। भवानीनंद गिरि ने बुधवार को अमर उजाला से बातचीत में अखाड़े में मची रार को सार्वजनिक किया। उनका कहना था कि अब वह कभी भी किन्नर अखाड़े में कदम नहीं रख सकतीं। उन्होंने सभी पदों से त्याग पत्र दे दिया है। वहां उनकी जान को खतरा है। इसलिए उन्होंने अलग किन्नर धाम बनाकर सनातन के प्रचार का निर्णय लिया है। किन्नर अखाड़े से किसी को निष्कासित नहीं किया गया है। लेकिन, जो लोग अलग संस्था बनाकर काम कर रहे हैं उनके लिए कोई जोर–दबाव भी नहीं डाला जा सकता। हमारी कोशिश देश–दुनिया के किन्नरों को एकजुट कर उन्हें अखाड़े में गरिमा और सनातन के अनुरूप सम्मान दिलाने का है। – आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी, किन्नर अखाड़ा भवानीनंद गिरि ने बताया कि वह महाकुंभ में शिविर नहीं लगाएंगी। अब वह महाकुंभ में कदम नहीं रखेंगी। वहां मेरी जान को खतरा है। माघ मेले में मुझको जिंदा जलाकर मारने की कोशिश की गई थी। मैं जूना अखाड़े के संरक्षक महंत हरि गिरि की शिष्य हूं। मैं सनातन के लिए जूना अखाड़े के साथ मिलकर संन्यासियों के लिए आजीवन काम करती रहूंगी।

एक ही मामले में दो विरोधाभासी आदेश जारी होने की जिला जज करेंगे जांच, कोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के जिला न्यायाधीश को मानहानि के एक मामले में दो विरोधाभासी आदेश जारी किए जाने की जांच करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह भी जांच करें कि किन परिस्थितियों में संबंधित न्यायालय के कर्मचारियों ने वेबसाइट पर अहस्ताक्षरित मसौदा आदेश अपलोड किए हैं। कोर्ट ने कहा कि संबंधित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के एक युवा मजिस्ट्रेट हैं। उनके लंबे करियर को ध्यान में रखते हुए उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल आदेश पारित नहीं कर रहा हूं। न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की कोर्ट ने पारुल अग्रवाल की अर्जी पर यह आदेश दिया। संबंधित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वर्तमान में अब एक अलग जिले में तैनात हैं। उनके खिलाफ कार्रवाई करने से कोर्ट ने परहेज किया, जबकि अदालत ने पाया कि उन्होंने सावधानी नहीं बरती थी और संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ जांच भी शुरू नहीं की थी। गाजियाबाद के रहने वाले दंपती ने आवेदक के खिलाफ मानहानि का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। ट्रायल कोर्ट ने 13 फरवरी को शिकायत पर एक ही दिन में दो आदेश पारित कर दिए। पहले आदेश में मानहानि की शिकायत खारिज कर दी गई थी, जबकि दूसरे आदेश में आरोपी को मुकदमे का सामना करने के लिए बुलाया गया था। इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। आवेदक के वकील ने दो आदेश जारी करने की पूरी जानकारी कोर्ट को दी। कोर्ट को बताया कि जिस आदेश से शिकायत खारिज की गई थी, उस पर हस्ताक्षर नहीं थे। जबकि जिस आदेश से अभियुक्त को बुलाया गया था, वह हस्ताक्षरित आदेश था। न्यायालय ने मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब में न्यायिक अधिकारी ने बिना शर्त माफी मांगी और बताया कि उनके न्यायालय के कर्मचारियों ने अनजाने में एक अहस्ताक्षरित और मसौदा आदेश अपलोड कर दिया था। कोर्ट ने दोनों आदेशों को रद्द करते हुए मामले को नए सिरे से निर्णय लेने के लिए पुनः ट्रायल कोर्ट को भेज दिया। साथ ही तीन महीने के भीतर कानून के अनुसार नया आदेश पारित करने का आदेश दिया।

बदलेगा सर्किट हाउस उद्यान का लुक, बनेगी गुलाबबाड़ी

प्रयागराज। महाकुम्भ के पहले सर्किट हाउस के उद्यान का लुक भी बदल जाएगा। उद्यान में गुलाबबाड़ी बनाई जाएगी और तमाम देसी और फूलों से इसे सजाया जाएगा। सर्किट हाउस को सजाने के लिए और मेला प्राधिकरण में हरियाली बढ़ाने के लिए उद्यान विभाग की ओर से काम शुरू कर दिया गया है। महाकुम्भ के दौरान तमाम वीआईपी प्रयागराज आएंगे। इसमें से तमाम लोग सर्किट हाउस में ही ठहरेंगे। वर्तमान में सर्किट हाउस में उद्यान तो है, लेकिन इसमें बहुत अच्छे पेड़ पौधे नहीं लगाए गए हैं। यहां पर रंग बिरंगे फूलों को लगाने के लिए उद्यान विभाग ने काम शुरू कर दिया है। देसी और विदेशी नस्ल के तमाम पौधे के लिए टेंडर हो गया है। जिला उद्यान अधिकारी उमेश चंद्र उत्तम ने बताया कि सर्किट हाउस की सजावट के लिए टेंडर प्रक्रिया चल रही है। वहीं इस बार मेला क्षेत्र में फाइवर के गमलों को लगाया जाएगा। मिट्टी के गमले रखने के बाद हटाने में समस्या आती थी। इसके टूटने फूटने का खतरा रहता था। अब जो गमले लगाए जाएंगे, वो स्थाई रहेंगे। फिलहाल एक हजार गमलों के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। महाकुम्भ का प्रचार करने के लिए जारी किए गए लोगो को अब प्रचारित किया जा रहा है। कलक्ट्रेट परिसर में नए लोगो की बड़ी होर्डिंग लगाई गई है। जिससे आने वाले लोगों का इस पर ध्यान जाए।

सीएमपी: प्रतियोगिता के प्रमथ विजेता को मिला 51 हजार

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज की ओर से कमला बहुगुणा की जन्म शताब्दी के अवसर पर 19 अक्तूबर को वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। 'क्या भारत में महिलाओं को आरक्षण देने से वास्तविक समानता हासिल की जा सकती है, विषय पर गोष्ठी प्रतियोगिता होगी। खास बात यह है कि प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को 51000 और ट्रॉफी, द्वितीय को 31000 व ट्रॉफी और 21000 व ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। इसके लिए द्वितीय चरण की प्रतियोगिता में शमिल सभी प्रतिभागियों को 2100 रुपये और ट्रॉफी प्रदान किए जाएंगे।

फिर भी कांग्रेस ने नहीं छोड़ी उम्मीद

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी का उम्मीदवार घोषित होने के बाद भी कांग्रेस ने दावेदारी नहीं छोड़ी है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062